वि.वि. की समस्त शोध तकनीक व जानकारी कृषकों के द्वार तक पहुँचाना हमारी जिम्मेदारी–डॉ. एस.पी. तिवारी,

स्वस्थ्य माटी हो तो उन्नत खेती व उन्नत पशुपालन संभव

फार्मर फर्स्ट परियोजना में कृषकों को आदान वितरण संपन्न

जबलपुर। दिनांकः 12.06.2020 ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर अंर्तगत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा पोषित फार्मर फर्स्ट परियोजना के अंर्तगत बेहतर समन्वित खेती के माध्यम से किसानों का सशक्तिकरण करने के दृष्टिकोण से आज कृषक प्रशिक्षण व आदान वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस वि.वि. के कुलपति एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. एस.पी. तिवारी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि कृषकों द्वारा परियोजना के माध्यम से नवीनतम तकनीकी का सत्त उपयोग एवं

लाभ हेतु वि.वि. एवं कृषकों के बीच वैज्ञानिकों एक सेतु के रूप में कार्य करने की बात कहीं इस परियोजना के माध्यम से हमारे अन्नदाता किसानों के कृषि उत्पादन में मृदा स्वास्थ्य एवं लागत में कमी ला सकेगों ताकि कृषकों की उत्तरोत्तर प्रगति हो सकें।

इस दौरान वैश्विक महामारी के कारण भारत सरकार स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा दिये गये दिशानिर्देश का पालन करते हुये कार्यक्रम की शुभारंभ में वि.वि. के कुलपति डॉ. एस.पी तिवारी, का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया एवं कार्यक्रम में फार्मर फर्स्ट परियोजना के प्रमुख अन्वेषक डॉ. ए.के. गौर, ने स्वागत उद्‌बोधन में कहा कि यह परियोजना उन्नत कृषि की तकनीक एवं पशुपालन संबंधित जानकारी अन्नदाता के द्वार तक पहुँचाना अति महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम में वि.वि. के संचालक विस्तार शिक्षा, डॉ. सुनील नायक ने फार्मर फर्स्ट परियोजना के उद्‌देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में परियोजना की विभिन्न गतिविधियों की विस्तार से जानकारी प्रदान करी। फार्मर फर्स्ट परियोजना के सह–अन्वेषक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. शेखर सिंह बघेल ने धान की उन्नत खेती तकनीक एवं धान की उन्नत किस्म जवाहर राइस 206 की गुणों की व उत्पादकता की जानकारी दी। इसके साथ ही मृदा की जाँच की आवश्यकता व उपयोगिता जवाहर जैव उर्वरक, पी.एस.बी., जवाहर स्यूड़ोमोनास, नील हरित काई उपयोगिता पर विस्तार से जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम में कृषि आदान में उन्नत धान की किस्म JR 206 का प्रजनक बीज, जवाहर जैव उर्वरक एवं कृषि जानकारी के पत्रक का वितरण वि.वि. के कुलपति डॉ. एस.पी. तिवारी जी के कर कमलो से किया गया। इस कार्यक्रम में ब्लाक पनागर के 6 ग्रामों में पड़रिया, सिलुआ, छत्तरपुर, देवरी, कैलवास व घाना के किसानों ने भाग लिया। फार्मर फर्स्ट परियोजना के अंर्तगत ग्राम घाना के प्रगतिशील किसान श्री राजेश यादव ने परियोजना के माध्यम से स्वयं की खेती की तकनीक में बदलाव एवं होने वाले विभिन्न लाभ के बारे में आपने अनुभव साझा किये।

कार्यक्रम का सफल संचालन एवं आभार प्रदर्शन श्री देवेश उपाध्याय, वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. हरि आर, सह– अन्वेषक, सुमित बिरहा, ट्विंकल रैकवार, विजय चौकसे, आशीष यादव का सक्रिय योगदान रहा।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., अधारताल, जबलपुर (म.प्र.)